



चुनौतियों का सामना करते हैं।

## भारत के संदर्भ में सुझाव:

- नया सामाजिक अनुबंध:
  - सरकारों और नियोक्ताओं के साथ, विशेष रूप से **राष्ट्रीय स्तर पर एक अनुबंध**।
  - यह सभी के लिये अच्छी नौकरियों की उपलब्धता; सभी के अधिकारों का सम्मान; न्यूनतम मज़दूरी सहित उचित मज़दूरी **प्रत्याप्त और आसानी से उपलब्ध सामाजिक सुरक्षा; समानता, सम्मान; समावेशिता को**
- उत्पादकता में वृद्धि:
  - उत्पादकता वृद्धि से आर्थिक विकास, पूर्ण और उत्पादक रोज़गार तथा उचित काम के लिये महत्त्वपूर्ण होगा।
  - नरितर कौशल चुनौतियों को पहचानना और प्रभावी एवं मांग-संचालित कौशल विकास से सरकारों, नियोक्ताओं और श्रमिकों को रोज़गार, सतत विकास, उत्पादकता वृद्धि और आर्थिक समृद्धि को आगे बढ़ाने से लाभ होता है।
    - **डिजिटल स्किल्स, कोर स्किल्स, एटरप्रेन्योरियल स्किल्स और सॉफ्ट स्किल्स का बेहतर इस्तेमाल किया जाना चाहिए।**
- असंगठित क्षेत्र में श्रमिकों की पहचान:
  - सभी के विकास को सुनिश्चित करने के लिये, असंगठित क्षेत्र में श्रमिकों की पहचान करने और **ई-श्रम पोर्टल** जैसे प्लेटफॉर्मों के माध्यम से उनकी ज़रूरतों को प्राथमिकता देने और **करमचारी राज्य बीमा योजना (Employees' State Insurance Scheme- ESIC)** के माध्यम से स्वास्थ्य कवरेज का विस्तार करने जैसे उपाय सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा का विस्तार करने के उपाय हैं जो असमानता में कमी ला रहे हैं।
    - देश में अब तक लगभग 29 करोड़ असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकृत किया जा चुका है।

## अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन

- वर्ष 1919 में **वर्साय की संधि** द्वारा राष्ट्र संघ की एक संबद्ध एजेंसी के रूप में इसकी स्थापना हुई।
- यह **संयुक्त राष्ट्र की एकमात्र त्रिपक्षीय संस्था** है जिसमें सरकारें, नियोक्ता और श्रमिक शामिल हैं।
- यह श्रम मानक निर्धारित करने, नीतियों को विकसित करने एवं सभी महिलाओं तथा पुरुषों के लिये सभ्य कार्य को बढ़ावा देने वाले कार्यक्रम तैयार करने हेतु **187 सदस्य देशों** की सरकारों, नियोक्ताओं और श्रमिकों को एक साथ लाने का कार्य करता है।
- **मुख्यालय:** जेनेवा, स्विट्ज़रलैंड
- **रिपोर्ट्स:**
  - वैश्विक वेतन रिपोर्ट (Global Wage Report)
  - विश्व रोज़गार एवं सामाजिक दृष्टिकोण (World Employment and Social Outlook)
  - विश्व सामाजिक संरक्षण रिपोर्ट (World Social Protection Report)
  - सोशल डायलॉग रिपोर्ट

## UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्षों के प्रश्न

### प्रारंभिक परीक्षा

#### प्रश्न: निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. कारखाना अधिनियम, 1881 को औद्योगिक मज़दूरों की मज़दूरी तय करने और मज़दूरों को ट्रेड यूनियन बनाने की अनुमति देने के उद्देश्य से पारित किया गया था।
2. एन.एम. लोखंडे ब्रिटिश भारत में श्रमिक आंदोलन के आयोजन में अग्रणी थे।

#### उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1 और न ही 2

#### उत्तर: (b)

- भारतीय कारखाना अधिनियम, 1881 पहला फैक्टरी एक्ट था जिसमें केवल कारखानों में 12 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के विनियमन संबंधी प्रावधान थे। यह केवल उन कारखानों पर लागू होता था जिसमें 100 या उससे अधिक कामगार कार्यरत थे और यांत्रिक शक्ति आधारित थे। इसमें औद्योगिक कामगारों को मज़दूर संघ बनाने की अनुमति नहीं दी गई थी। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
- नारायण मेघाजी लोखंडे महात्मा जोतबा फुले के सह-कार्यकर्ता थे और औपनिवेशिक काल के दौरान श्रमिक आंदोलन के अग्रणी नेता थे। उन्होंने

वभिन्न सम्मेलनों का आयोजन किया और श्रम सुधारों के लिये एक हस्ताक्षर अभियान का नेतृत्व किया। वह भारत में आधुनिक ट्रेड यूनियनवाद की दशा में काम करने वाले पहले व्यक्ति थे। अतः कथन 2 सही है।

प्रश्न: भारत में, नमिनलखिति में कौन एक, उन फेक्टोरियों में जनिमें कामगार नयिक्त हैं, औद्योगिकि वविादों, समापनों, छँटनी और कामबंदी के वषिय में सूचनाओं को संकलति करता है? (2022)

- (a) केंद्रीय सांख्यिकी कार्यालय
- (b) उद्योग संवर्द्धन और आंतरिक व्यापार वभाग
- (c) श्रम ब्यूरो
- (d) राष्ट्रीय तकनीकी जनशक्ति सूचना प्रणाली

उत्तर: C

??????

प्रश्न: "मेक इन इंडिया" कार्यक्रम की सफलता 'स्कलि इंडिया' कार्यक्रम की सफलता और क्रांतिकारी श्रम सुधारों पर निर्भर करती है।" संगत तर्कों के साथ वविचना कीजिये। (2015)

प्रश्न: "हाल के दनिों का आर्थिक वकिस श्रम उत्पादकता में वृद्धि के कारण संभव हुआ है।" इस कथन को समझाइये। ऐसे संवृद्धिपरतरीप को प्रस्तावति कीजिये जो श्रम उत्पादकता से समझौता कयि बनिा अधिकि रोजगार उत्पत्ति में सहायक हो। (2022)

[स्रोत: द द्रि](#)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/17th-asia-pacific-regional-meeting>

